हित समूह (Interest Group) से आप क्या समझते हैं?

परिचय

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में केवल सरकार ही नीतियाँ नहीं बनाती, बल्कि समाज के विभिन्न वर्ग, संगठन और संस्थाएँ भी नीति निर्माण को प्रभावित करते हैं। ऐसे संगठित समूह जो अपने सदस्यों या किसी विशेष वर्ग के हितों की रक्षा एवं संवर्धन के लिए सरकार, प्रशासन तथा जनमत को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं, हित समूह (Interest Group) कहलाते हैं। ये लोकतंत्र में जनसहभागिता बढ़ाने तथा सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

अर्थ (Meaning)

हित समूह ऐसे स्वैच्छिक एवं संगठित समूह होते हैं जिनका उद्देश्य किसी विशेष वर्ग, व्यवसाय, समुदाय या सामाजिक हित की रक्षा करना तथा उन हितों के अनुरूप सरकारी नीतियों को प्रभावित करना होता है।

परिभाषाएँ (Definitions)

1. मायरोन वीनर (Myron Weiner) के अनुसार—

"हित समूह ऐसे स्वैच्छिक संगठन हैं जो सरकारी निर्णयों एवं सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं।"

2. गैब्रियल आल्मंड एवं जी. बी. पॉवेल (Gabriel Almond & G. B. Powell) के अनुसार—

"हित समूह ऐसे संगठन हैं जो अपने सदस्यों के विशेष हितों की अभिव्यक्ति और संरक्षण के लिए कार्य करते हैं।"

हित समूह की विशेषताएँ (Characteristics)

1. स्वैच्छिक संगठन होते हैं।

2. किसी विशेष हित या उद्देश्य के लिए गठित होते हैं।

3. सरकार एवं नीतियों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं।

4. लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

5. राजनीतिक दल नहीं होते, बल्कि उन पर प्रभाव डालते हैं।

6. जनमत निर्माण में सक्रिय रहते हैं।

7. अपने सदस्यों के हितों की रक्षा करते हैं।

8. सामाजिक एवं आर्थिक मुद्दों पर कार्य करते हैं।

हित समूह के उद्देश्य (Objectives)

1. अपने सदस्यों के हितों की रक्षा करना।

2. सरकार के समक्ष समस्याओं एवं मांगों को प्रस्तुत करना।

3. नीति निर्माण में सुझाव देना।

4. सामाजिक न्याय एवं समान अवसर को बढ़ावा देना।

5. जन-जागरूकता उत्पन्न करना।

6. लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ाना।

7. सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सहयोग करना।

8. कमजोर एवं वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा करना।

हित समूह का महत्व (Importance)

1. लोकतंत्र को सशक्त बनाना

हित समूह नागरिकों को शासन प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर प्रदान करते हैं।

2. नीति निर्माण में सहयोग

ये सरकार को विशेषज्ञ सुझाव एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हैं।

3. जनमत का निर्माण

सामाजिक समस्याओं के प्रति जनता को जागरूक करते हैं।

4. कमजोर वर्गों का प्रतिनिधित्व

महिलाओं, किसानों, श्रमिकों, विद्यार्थियों, दिव्यांगों एवं वंचित वर्गों की आवाज़ बनते हैं।

5. सरकार पर नियंत्रण

सरकारी नीतियों एवं योजनाओं की निगरानी कर जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं।

6. सामाजिक परिवर्तन

सामाजिक सुधार, मानवाधिकार एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

7. संघर्षों का समाधान

सरकार एवं जनता के बीच संवाद स्थापित कर विवादों को कम करने में सहायता करते हैं।

हित समूह के उदाहरण

किसान संगठन

श्रमिक (मजदूर) संगठन

व्यापारिक एवं उद्योग संगठन

महिला संगठन

छात्र संगठन

उपभोक्ता संगठन

पर्यावरण संरक्षण संगठन

स्वयंसेवी संस्थाएँ (NGOs)

हित समूह की सीमाएँ

1. कभी-कभी केवल अपने वर्ग के हितों को प्राथमिकता देते हैं।

2. प्रभावशाली समूह सरकार पर अनुचित दबाव डाल सकते हैं।

3. संसाधनों की असमानता के कारण सभी समूह समान प्रभाव नहीं डाल पाते।

4. कुछ हित समूह राजनीतिक प्रभाव में कार्य करने लगते हैं।

निष्कर्ष

हित समूह लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग हैं। ये जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं तथा सामाजिक नीति निर्माण, जनहित की रक्षा, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यदि हित समूह पारदर्शिता, नैतिकता एवं

जनकल्याण की भावना से कार्य करें, तो वे समाज के समग्र विकास में अत्यंत प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ (References)

1. Friedlander, Walter A. (1977). Concepts and Methods of Social Work. Prentice Hall of India.

2. Titmuss, Richard M. (1974). Social Policy: An Introduction. George Allen & Unwin.

3. Kulkarni, P. D. (1979). Social Policy and Social Development in India. Association of Schools of Social Work in India.

4. Dubey, S. N. (2015). Social Work: An Integrated Approach. New Royal Book Company.

5. गोयल, एस. एल. एवं गोयल, राकेश. (2018). सामाजिक कल्याण एवं सामाजिक नीति. आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स, जयपुर।

6. सिंह, आर. बी. एस. (2016). समाज कार्य एवं सामाजिक नीति. रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।